प्रकृति में व्याप्त हृदय

सिद्धयोग पथ पर, हृदय की छवियाँ उस परम हृदय का स्मरण कराती हैं जो सभी की आत्मा है और जो हमारे अन्तर में तथा सभी जीवों व सभी वस्तुओं में सदैव विद्यमान है।

सिद्धयोगी विशेषतः हृदय की छवियों को श्रीगुरुमाई के साथ जोड़ते हैं; ये छवियाँ हमें, गुरुमाई जी के हमारे प्रति प्रेम का व उनके प्रति हमारे प्रेम का स्मरण दिलाती हैं।

श्रीगुरु के प्रेम और कृपा को याद करने का एक अद्‌भुत तरीक़ा है — अपने आस-पास के जगत में व्याप्त रूपाकारों में हृदय की आकृतियों को पहचानना— बादलों में, फूलों में, बीजों की फलियों में, पेड़ों की शाखाओं में, चट्टानों पर, जल के प्रवाह में और अनेक चीज़ों में।

जब आप Hearts in Nature [प्रकृति में व्याप्त हृदय] गैलरी की छवियों में अपने आपको निमग्न करें तो ध्यान दें कि दिनभर के दौरान इसका आपके अपने हृदय के प्रति आपकी जागरूकता पर क्या प्रभाव पड़ता है। और हो सकता है आपको अपने चारों ओर हृदय की आकृतियाँ दिखने लगें! आप यहाँ सिद्धयोग पथ की वेबसाइट पर अपने अनुभव बताने के लिए आमन्त्रित हैं।

© २०१८ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।